Written by संतोष पाण्□डेय
Sunday, 03 June 2018 12:30

: □□□□□□ □□ □□□□, □□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ : □□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□ □□ 2019 □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ : □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ :

□□□□ □□□□□□

□□□□□□□□ : (□□□□□ □□ □□□) डॉ अनलि यादव के कार्यकाल का सभी परणिाम ववािदति रहा□ तीन हजार से अधकि मुकदमे आयोग के खलिाफ माननीय उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में चलें चले□ जरा सोचाि□! क्या प्रतयिोगी छात्र मुकदमा लड़ने आता है?

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के इतहिास में 29 मार्च 2015 पीसी□स 2015 प्रारंभकि परीक्षा का पेपर लीक होता है □ छात्रों के उग्र आंदोलन के बाद प्रथम पाली का परीक्षा नरिस्त कयिा गया और छात्रों के साथ गंदा मजाक कयिा गया□ यह सलिसलिा यहीं नहीं रुकता है□ समीक्षा अधकिारी 2016 का पेपर भी लीक होता है जसिकी जांच आज भी लंबति है और अभ्यर्थयिों के अमूल्य समय को बर्बाद कयिा जा रहा है□ यह सब □क सुनयिोजति तरीके से होता रहा और भ्रष्टाचार का सलिसलिा बढ़ता गया□ हमारे नौजवानों के भवषि्य के साथ खलिवाड़ होता रहा सरकारें चुप थी और नौजवान परेशान था□

लोकतंत्र को यदि हम उत्तर प्रदेश के परपि्रेक्ष्य में देखें,तो यहां लोकतंत्र में लोक खत्म हो गया था□ और तंत्र ही बचा था□ इसका तत्कालीन उदाहरण उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में व्याप्त भ्रष्टाचार के वरिुद्ध में उतरे लाखों प्रतयिोगी छात्रों पर 48 बार लाठीचार्ज 7 बार फायरगिं वाटर कैनन,आंसू गैस के गोले छोड़े ग□ □ प्रतयिोगी छात्रों को जेल भेजा गया बात यहीं नहीं खत्म होती है□ कई बार तो छात्रों पर संगीन धारा□ं लगाई गई□ जैसे 7A /CLA गुंडा □क्ट□ यहां तक की कुछ छात्रों को 5000 का इनामी अपराधी तक घोषति कर दयिा गया था□ इस बात से उस समय में लोकतंत्र का अनुमान लगाया जा सकता है □ लोक सेवा आयोग के भ्रष्टाचार को करीब से समझने और लखिने वाले इलाहाबाद के वरषि्ठ पत्रकार अखलिेश मशि्रा कहते हैं, आयोग में त्रसि्तरीय आरक्षण व्यवस्था जब लागू हुआ तो छात्रों ने इसके खलिाफ आंदोलन कयिा बाद में आयोग ने इसे बदला तो भ्रष्टाचार खुलकर सामने आया□

उस समय इलाहाबाद के SP सटिी रहे शैलेश यादव ने आंदोलन को कुचलने का पूरा प्रयास कयिा लेकनि असफल रहे□ आयोग पर लगातार लखिने वाले इलाहाबाद के वरषि्ठ संवाददाता वकिास गुप्ता जी कहते हैं कि अनलि यादव की नयिुक्ति ही गलत तरीके से हुई थी□ जब □क डगि्री कॉलेज का प्रधानाचार्य को लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष चुना गया तो लोगों को सोचना चाहाि□ □ वहीं जब डॉ अनलि यादव भर्तयिों में खुलकर भ्रष्टाचार करने लगे तो लोगों की नींद टूटी लेकनि तब तक देर हो चुकी थी□ आगे वकिास गुप्ता जी ने सीबीआई के परपि्रेक्ष्य में कहा कि यदि आम चुनाव के बाद भी सीबीआई ऐसे काम करती रही तो बेहतर परणिाम की उम्मीद है □

आयोग के खलिाफ लड़ने वाले प्रतयिोगयिों से कंधे से कंधा मलिाकर चलने वाले देश के कई अफसर, सामाजकि कार्यकर्ता और राजनेता भी शामलि थे□ उनमें से □क आईजी अमतिाभ ठाकुर कहते हैं कि अनलि यादव के कार्यकाल में भ्रष्टाचार हुआ था□ लेकनि अब सीबीआई की जांच शुरू होने से □क बेहतर परणिाम की उम्मीद है□ वहीं छात्रों के मार्गदर्शक के रुप में कार्य करने वाले पूर्व मंडलायुक्त बादल चटर्जी जो रोड से लेकर कोर्ट तक छात्रों के हति लाि□ लड़ते रहे□ वह कहते हैं कि जो लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य बनाये जाते उनको ईमानदार कर्मठ और जातवािद से ऊपर उठा होना चाहाि□ □ कसिी वदि्वान को ही लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष बनाया जाना चाहाि□ जसिके अंदर दृढ़ इच्छाशक्ति और सुशासन स्थापति करने क्षमता हो□

Written by संतोष पाण□डेय
Sunday, 03 June 2018 12:30

खैर नजिाम बदला सरकार बदली और नौजवानों के उम्मीद की करिण दखिाई दी नई सरकार से□ चुनाव के समय भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं ने वादा किया था कि लोकसेवा आयोग की सीबीआई जांच जरूर होगी अगर सरकार बनेगी तो अंत में बीजेपी सरकार प्रचंड बहुमत से उत्तर प्रदेश में आई□ सरकार ने अपने वादे को पूरा करते हु□ 31 जुलाई 2017 को लोकसेवा आयोग की सीबीआई जांच की सफिारिश केंद्र सरकार से की और केंद्र सरकार ने 24 नवंबर 2017 को इसे स्वीकृति प्रदान कर दयि□ यह जांच 1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2017 तक की भर्तियों के लि□ किया गया है□ सीबीआई ने 5 मई 2018 को पहला FIR दर्ज कराया यह कहते हु□ कि हमारे पास व्यापक रूप से गड़बड़ियों के साक्ष्य हैं□ इसमे सरकारी व गैर सरकारी व्यक्तियों की संलप्तिता पाई गयी है□ सूत्रों की माने तो सीबीआई जांच टीम ने 600 से अधकि परीक्षाओं के परणिाम की प्राथमकिता तय की है□ प्रमुखता से पीसी□स 2015 समीक्षा 2014 लोअर पीसी□स 2013 तथा पीसी□स 2011 में अधकि अनयिमतिता दखिाई दे रहा है□ लोकसेवा आयोग की व्यापक छानबीन कर सभी जरूरी दस्तावेजों को सीज कर दयि गया है□ जल्द ही गरिफ्तारी भी की जा सक्ती है□

यदि वर्तमान स्थति को देखें तो नसिंदेह छात्रों में उत्साह दखिाई दे रहा है□ लेकनि साथ में नराशिा भी है क्योंकि नौजवानों का अमूल्य समय जो बर्बाद हो रहा है□ पहले तो प्रतयिोगी भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ ग□□ और अब जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती तब तक कई छात्र ओवर□ज हो जा□ंगे और इनका अमूल्य समय बर्बाद होता रहेगा□ यह सोचनीय वषिय है ?जानकारों का मानना है कि अगर सीबीआई जांच सत्ता के दबाव से हटकर हुआ तो तत्कालीन सरकार तक जा□गी□ लोकसेवा आयोग की सीबीआई जांच मूल रूप से 2019 आम चुनाव पर नर्भिर करेगी □ परणिाम क्या होगा ?

इस प्रकार यदि हम उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग में देखें तो वचित्रि स्थति उत्पन्न हो गई है□ वस्तुत□ स्वतंत्रता के इन वर्षों में लोगों में जो चेतना जागृत हुई है उसका भी राजनेताओं ने गलत लाभ उठाया है□ अत□ नौजवानों की चेतना संकीर्ण चेतना बनकर क्षेत्रवाद, जातविाद और सांप्रदायकिता जैसी समस्याओं के रूप में देखने को मलिती है □ इस तरह हम संक्षेप में भारतीय समाज के परदृिश्य ओर दृष्टि डालें तो संवधिान के आदर्शों जैसे स्वतंत्रता, समानता, भ्रातृत्व, सामाजकि न्याय, पंथनरिपेक्षता और कानून के शासन से काफी दूर दखिता है □ यही नहीं नक्सलवाद, सांप्रदायकिता, क्षेत्रवाद और जातविाद की शक्तयिां नकारात्मक रूप में उभरी है□ जो भारत में □क्ता और अखंडता के प्रयासों को नरिंतर कमजोर कर रही है □